UNIVERSITY NEWS 09 JANUARY 2025

AMRIT VICHAR

छात्रों को एचआर इंटर्नशिप का मौका

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से गेटटूयूटर में द्वारा छात्रों के लिए एचआर इंटर्नशिप का अवसर साझा किया गया है। यह इंटर्नशिप वर्क फ्रॉम होम (रिमोट मोड) में आयोजित की जाएगी। वेब्नमी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इंटर्नशिप की अवधि दो माह होगी, जिसमें प्रतिदिन लगभग 3 .5 घंटे कार्य करना होगा। इस अवसर के लिए बी.टेक को छोड़कर अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र आवेदन कर सकते हैं, विशेष रूप से द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी गई है। इंटर्नशिप के दौरान प्रतिभागियों को भर्ती प्रक्रिया में सहयोग, कैंडिडेट सोर्सिंग, रिजयूमे स्क्रीनिंग, इंटरव्यू समन्वय, डाटाबेस प्रबंधन तथा भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। इच्छुक छात्र 12 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

I NEXT

विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए यूपी का विकास जरूरी

'उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनाना एक बड़ा लक्ष्य है . वास्तविक विकास वही है जो जनमानस अपनी आम जिंदगी में महसूस करते हैं . विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूपी का विकास आवश्यक है .' यह विचार राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने रखे . वह लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की डा. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ की ओर से आयोजित विशेष व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे . प्रो. डीपी मुकर्जी सभागार में "उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था-राज्य जीडीपी का लक्ष्य" विषय पर हुए विशेष व्याख्यान में मुख्य अतिथि ने कहा कि 2017 के बाद यूपी में कई बड़े प्रशासनिक बदलाव किए गए, जिनका असर अब अर्थव्यवस्था व अन्य क्षेत्रों पर दिखाना शुरू हो गया है .

AMAR UJALA

कृषि, उद्योग व सेवा क्षेत्र से बनेगा ट्रिलियन डॉलर यूपी

लखनऊ विवि में हुए व्याख्यान में बोले राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ, समाजशास्त्र विभाग की ओर से बहुसमीक्षित की.पी. मुखर्जी सभागार में उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था : राज्य जीडीपी का लक्ष्य विषय पर व्याख्यान हुआ।

मुख्य अतिथि उप्र. राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाना केवल आंकड़ों का लक्ष्य नहीं, बल्कि ऐसा विकास है जिसका प्रभाव आम नागरिक अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में महसूस करें। वर्ष 2017 के बाद किए गए प्रशासनिक और नीतिगत सुधारों का सकारात्मक असर अब राज्य की अर्थव्यवस्था, निवेश और सामाजिक क्षेत्रों में साफ दिखाई देने लगा है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र से ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा उत्तर प्रदेश।

राज्य परिवर्तन आयोग मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज सिंह का व्याख्यान सुनते युवा। अमर उजाला

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार लगातार इन्वेस्टमेंट समिट कर रही है। प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत है। सेवा क्षेत्र में सरकार पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही है। शिक्षा के क्षेत्र में अटल आवासीय विद्यालय और सीएम मॉडल स्कूल जैसे नवाचार भविष्य की मजबूत नींव रख रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरविंद मोहन ने भी बात रखी। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. पीके गुप्ता, प्रो. डीआर. साहू सहित शिक्षक, शोधार्थी व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

खबर से जुड़ा वीडियो देखने के लिए बयूआर कोड करें स्कैन

लखनऊ विवि की बढ़ती साख पांच वर्ष में सर्वाधिक नामांकन

पांच जनपदों में फैला उच्च शिक्षा का भरोसा, नामांकन में रिकॉर्ड, रैंकिंग में भी आई मजबूती

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दाखिले के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि इस सत्र में विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में कुल दिनांक तक 1,83,350 छात्रों ने दाखिला लिया है, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है।

यह आंकड़ा न सिर्फ विश्वविद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उसके प्रति छात्रों के भरोसे को भी मजबूत करता है। यह उपलब्धि सुनियोजित शैक्षणिक विस्तार, पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया और गुणवत्ता आधारित शिक्षण व्यवस्था का परिणाम है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रायबरेली व हरदोई में फैले कॉलेजों में शैक्षणिक विस्तार ने उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है। पारदर्शी और डिजिटल प्रवेश प्रक्रिया, आधुनिक बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षण और शोध आदि के लिए बेहतर माहौल ने छात्रों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय को पहली पसंद के रूप में स्थापित किया है। प्रशासन का मानना है कि गुणवत्ता आधारित शिक्षण, अकादमिक अनुशासन और छात्र-हितैषी नीतियां इस बढ़ती लोकप्रियता की मजबूत नींव हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा

1,83,350

विद्यार्थियों ने इस सत्र में विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में लिया दाखिला

लविवि में साल दर साल दाखिले का बढ़ता ग्राफ

सत्र	दाखिल विद्यार्थियों की संख्या
2023-24	1,43,349
2024-25	1,56,602
2025-26	1,83,350

भविष्य को लेकर विश्वविद्यालय की रणनीतियां

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि शोध और नवाचार को और मजबूत करना, नए और रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू करना, डिजिटल व पारदर्शी व्यवस्था को विस्तार देना और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझेदार महाल संस्थान की प्रासंगिकता में सुधार है।

एक नजर में

विद्यार्थियों के प्रवेश के इस लगे रिकार्ड के साथ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा में भी अपनी स्थिति और मजबूत की है।

- राष्ट्रीय-2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय को चार में 29वां स्थान और उत्तर प्रदेश में पांचवां स्थान मिला है, जहां यह आईआईटी कानपुर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बाद आता है। इसी रैंकिंग में विश्वविद्यालय रांकिंग में 42वें और विश्व स्तर पर 1,639वें स्थान पर रहा है।
- एचआईआरएफ-2025 में विश्वविद्यालय ने बहुआयामी प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय श्रेणी में 96वां, नेटर पब्लिक यूनिवर्सिटी 27वां, लॉ में 29 वां और मैनेजमेंट में 100 वां स्थान हासिल किया है।
- यहां बहुप्रतीक्षित यूनिवर्सिटी रैंकिंग : साइंस एजिंग-2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय को 24वां स्थान, जबकि एसबीएस मैपी इंडोनेशिया रैंकिंग 2025 में 120वां स्थान मिला है।

अब पढ़ाई के साथ कमाई का भी मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी अब पढ़ाई के साथ तीन से साढ़े तीन घंटे काम करके 10 हजार रुपये प्रति माह कमाई भी कर सकेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से 12 जनवरी तक 100 पदों पर आवेदन मांगे गए हैं। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि चयनित विद्यार्थी को कंपनी मेंटरशुटर की ओर से एचआर इंटर्नशिप का अवसर दिया जाएगा। खास बात ये है कि यह इंटर्नशिप वर्क फ्रॉम होम (रिमोट मोड) मोड पर होगी।

100 पदों के लिए 12 जनवरी तक मांगे गए हैं आवेदन

लखनऊ विवि और संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी कर सकते हैं आवेदन

इसमें बीटेक को छोड़कर अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। विशेष रूप से दूसरे और तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी गई है। इंटर्नशिप के दौरान प्रतिभागियों को भर्ती प्रक्रिया में सहयोग, कैंडिडेट सोर्सिंग, स्क्रीनिंग, इंटरव्यू समन्वय, डाटाबेस प्रबंधन व भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। चयनित विद्यार्थियों को 10 हजार रुपये तक मानदेय दिया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर का अवसर भी मिल सकता है। (संवाद)

यहां से करें आवेदन

आवेदन करने लिए गूगल लिंक के माध्यम से https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeMVUQ_bdBVCczz23FRNC-KeVgsDsaG4jFFAEkFsteYHPRvCg/viewform?usp=header से ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।

HINDUSTAN

एलयू छात्रों के पास रिमोट मोड में इंटर्नशिप का मौका

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से गेटटूयूटर में छात्रों को इंटर्नशिप का मौका दिया गया है। यह इंटर्नशिप वर्क फ्रॉम होम (रिमोट मोड) में आयोजित की जाएगी। सीपीसी निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि इच्छुक छात्र 12 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप की अवधि दो माह होगी, जिसमें प्रतिदिन लगभग 3.5 घंटे कार्य करना होगा। बीटेक को छोड़कर अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र आवेदन कर सकते हैं। 10,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलेगा।

'यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाना लक्ष्य'

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ द्वारा 'उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्थाः राज्य जीडीपी का लक्ष्य' विषय पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, राज्य परिवर्तन आयोग के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाना एक बड़ा लक्ष्य है।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के तीन मुख्य स्तंभों—प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश की कृषि व्यवस्था में 25 प्रतिशत का योगदान देता है। प्रदेश की 75% भूमि कृषि योग्य है, जिसमें से 86% सिंचित है। दूध, गेहूं, आम और गन्ना जैसे 15 प्रमुख उत्पादों में यूपी देश में प्रथम स्थान पर है, जो इसे 'कृषि का पावर हाउस' बनाता है। द्वितीयक क्षेत्र की चर्चा करते हुए बताया कि 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां विनिर्माण को गति दे रही हैं। वहीं, तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र) में सरकार पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार कर रही है, जिसमें पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. पीके गुप्ता और प्रो. डीआर साहू रहे।

एलयू में व्याख्यान के दौरान राज्य परिवर्तन आयोग के सीईओ मनोज कुमार सिंह।

चार पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। एलयू में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत परास्नातक स्तर के चार पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस बाबत परीक्षा नियंत्रक की ओर से निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमए या एमएससी गणित, एमए शिक्षाशास्त्र, एमकॉम कॉमर्स, एमबीए आईएमएस का शेड्यूल घोषित कर दिया गया है।

व्याख्यान में उभरती तकनीक से रूबरू कराया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनईपी-2020 उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रो. अहरार हुसैन ने शिक्षा और शोध में एआई टूल्स की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोगों के साथ-साथ शोध में डेटा गोपनीयता, नैतिक उपयोग और साहित्यिक चोरी जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रो. दिनेश कुमार सहित कई शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

एलयू में सबसे अधिक प्रवेश का रिकॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 में प्रवेश का नया रिकॉर्ड बनाया है। जिसका विवि प्रशासन की ओर से आधिकारिक आंकड़ा जारी किया गया है। प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि 1,83,350 छात्रों ने विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में दाखिला लिया है, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। सत्र 2024-25 में कुल 1,56,602 ने प्रवेश लिया था।

- लखनऊ विश्वविद्यालय के एंथ्रोपोलाजी विभाग की ओर से संयुक्त वार्षिक सम्मेलन, एपी सेन हाल, लवि, सुबह 9 :30 बजे।

TOI

'Agriculture to drive $1 trn vision of UP'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Uttar Pradesh is aiming to become a $ 1trillion economy with agriculture at the forefront of this vision.

This was highlighted during a special lecture on 'Uttar Pradesh as a One Trillion Dollar Economy – Targeting State GDP', organised by the Dr Ram Manohar Lohia Research Chair, department of sociology, Lucknow University on Thursday.

Manoj Kumar Singh, CEO of the State Transformation Commission, said, "Real development is that which people feel in their everyday lives. Uttar Pradesh has the potential to become the powerhouse of Indian agriculture, but we are yet to fully utilise this potential."

"Agriculture contributes nearly 25% to India's output. While it covers 45% of the country's land, in Uttar Pradesh it extends to 75%, with 86% of it irrigated. The state ranks first in 15 major products, including wheat, mango, milk, watermelon, and guava," he said

DAINIK JAGRAN

टूटा तीन साल का रिकार्ड, इस बार हुए सर्वाधिक दाखिले

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में प्रवेश का नया रिकार्ड बनाया है। इस बार कुल 1,83,350 छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कालेजों में दाखिला लिया। यह संख्या पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गुरुवार को विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह उपलब्धि संस्थान की रीसर्चफ्रेंडली उत्कृष्टता और छात्र-छात्राओं के विश्वास का परिणाम है। लगातार बढ़ती संतुष्ट यह दर्शाती है कि विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में बड़े स्तर पर लवि का कायाकल्प हुआ है। छात्र सुविधाएं बढ़ने के साथ विश्वविद्यालय ने शोध, नवाचार आदि को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित रैंकिंग भी हासिल की है। इसी वजह से लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी में बढ़ी संतुष्ट में कालेज संबद्धता लेकर लवि से जुड़े। विश्वविद्यालय की ओर छात्रों का रुझान बढ़ा है। पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया, आधुनिक शिक्षण पद्धतियां और शोध को बढ़ावा देने वाली नीतियां इस सफलता का प्रमुख कारण हैं। खास बात ये भी है कि इस वर्ष करीब 76 फेरों में पिछले 2084 विद्यार्थियों के भी आवेदन भर्ती आए थे, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो सौ अधिक थे। नीतियों इस सफलता का प्रमुख कारण हैं। खास बात ये भी है कि इस वर्ष करीब 76 फेरों में पिछले 2084 विद्यार्थियों के भी आवेदन भर्ती आए थे, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो सौ अधिक थे।

1,83,350 संख्या के साथ इस साल सबसे अधिक प्रवेश

तीन साल में विद्यार्थी

2023-24	1,43,349
2024-25	1,56,602
2025-26	1,83,350

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में रिकार्ड प्रवेश दर्ज किया है। इस बार कुल 1,83,350 छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कालेजों में दाखिला लिया। यह संख्या पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गुरुवार को विश्वविद्यालय ने यह उपलब्धि संस्थान की रीसर्चफ्रेंडली उत्कृष्टता और छात्र-छात्राओं के विश्वास का परिणाम है। लगातार बढ़ती संतुष्ट यह दर्शाती है कि विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में बड़े स्तर पर लवि का कायाकल्प हुआ है। छात्र सुविधाएं बढ़ने के साथ विश्वविद्यालय ने शोध, नवाचार आदि को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित रैंकिंग भी हासिल की है। इसी वजह से लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी में बढ़ी संतुष्ट में कालेज संबद्धता लेकर लवि से जुड़े। विश्वविद्यालय की ओर छात्रों का रुझान बढ़ा है। पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया, आधुनिक शिक्षण पद्धतियां और शोध को बढ़ावा देने वाली नीतियां इस सफलता का प्रमुख कारण हैं। खास बात ये भी है कि इस वर्ष करीब 76 फेरों में पिछले 2084 विद्यार्थियों के भी आवेदन भर्ती आए थे, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो सौ अधिक थे।

2025 की रैंकिंग में लवि

ईबीए रैंक-2025 में चयन में 29वां, प्रोग्राम में पीजी स्तर, एचआइआरएफ रैंकिंग-यूनिवर्सिटी श्रेणी में 96वां, नेटर पब्लिक रैंकिंग में 27वां, रैंकिंग में 29वां, मैनेजमेंट में 100वां स्थान, वसुस वर्ल्ड रैंकिंग सटाक परिणाम में 24401।

भविष्य की संभावनाएं

शोध और नवाचार पर जोर, पाठ्यचर्या और डिजिटल प्रवेश प्रक्रिया, विविध पाठ्यक्रमों का विस्तार, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

पहली बार स्थापित किया गया डाक घर

जागरण • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार डाक घर स्थापित किया गया है। इस डाक घर का लोकार्पण गुरुवार को 12 बजे लवि की कार्यवाहक कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर (पोएनजी) सुनील कुमार राय करेंगे। इसमें डाक से संबंधित सभी उत्तर की सुविधाएं दी जाएंगे।

लवि में यह डाक घर गांधी विचार के निकट स्कीम गया है। नया गांव पोस्ट आफिस का भी नया पता अब लवि का डाक घर होगा। नया गांव पोस्ट आफिस अभी तक नू. हैदराबाद में उसर आफिसर कार्यालय में संचालित किया जा रहा था, लेकिन अब इस डाक घर को लखनऊ विश्वविद्यालय में शिफ्ट किया जा रहा है। इसके खुलने से नया गांव के डाक उपभोक्ताओं के साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, विद्यार्थियों व अध्यापक के अन्य लोगों को भी सहूलियत मिलेगी। पोएनजी राय ने बताया कि इस डाकघर को सिटीजनों बैठिए व जैडीसीसी संचार बनाया जाएगा। इसे जल्द ही जेन-जी डाकघर में परिवर्तित किया जाएगा। जेन-जी पोस्ट आफिस में आधुनिक सुविधाएं- वाई-फाई, कैफेटेरिया, मिनी-लाइब्रेरी, पार्सल, ज्ञान पोस्ट, पार्सल पैकेजिंग सेवाएं, सिलेंडरी, डाकघर बचत सेवाएं, डाक जीवन बीमा, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक जैसी सुविधाएं दी जाएंगे। अनुभवी अधारित डिजिटल भुगतान सुविधा भी प्रदान की जाएगी। जेन-जी पोस्ट आफिस में विद्यार्थियों के साथ आसपास भी डाक विभाग की सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। आपर बनाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले डाक विभाग ने शिक्षा संस्थानों में भी आपर पंजीयन, आपोट म शोधपत्र की सेवाएं देने की पहल कर लोगों को बड़ी राहत देने का प्रयास भी किया है। इसी बड़ी में शिक्षा संस्थानों में डाक घर खोले जा रहे हैं।

- **सुनील कुमार राय,** पोस्टमास्टर, लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र

इंटर्नशिप के लिए आवेदन 10 हजार रुपये तक भत्ता

जासं • लखनऊ : लवि की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से गेट टूयूटर में छात्र-छात्राओं के लिए एचआर इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। यह इंटर्नशिप वर्क फ्राम होम (रिमोट मोड) में आयोजित की जाएगी। इंटर्नशिप की अवधि दो माह होगी, जिसमें प्रतिदिन लगभग 3.5 घंटे कार्य करना होगा। इसके लिए बी.टेक को छोड़कर अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं।

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय के अनुसार इंटर्नशिप से प्रतिभागियों को भर्ती प्रक्रिया में सहयोग, रिज्यूम स्क्रीनिंग, इंटरव्यू समन्वय, डाटाबेस प्रबंधन तथा भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों का व्यावहारिक अनुभव होगा। चयनित विद्यार्थियों को 10,000 तक का प्रदर्शन आधारित भत्ता (स्टाइपेंड) दिया जाएगा।

केकेवी : नए सत्र से बीबीए, बीसीए और बीकाम आनर्स की पढ़ाई

जासं • लखनऊ : बप्पा श्री नारायण वोकेशनल पीजी कालेज (केकेवी) ने आगामी सत्र 2026-27 से चार नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है। इसमें बीबीए, बीसीए, बी.काम आनर्स और बी.एससी कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रम शामिल है। कालेज प्रशासन ने इन कोर्सों की एनओसी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में आनलाइन आवेदन किया है। एनओसी मिलने के बाद संबद्धता की प्रक्रिया पूरी की जाएगी ताकि जुलाई से इन कोर्सों का संचालन किया जा सके।

प्राचार्य प्रोफेसर संजय मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में कालेज में बी.ए, बी.काम और बी.एससी के साथ-साथ नौ विषयों में परास्नातक की पढ़ाई होती है। इनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश का प्रविधान है। अब नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। बीते दिनों कालेज मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में इन पर सहमति मिलने के बाद एनओसी के लिए आवेदन कर दिया गया है। एनओसी के बाद निरीक्षण मंडल के लिए आवेदन होगा।

शिवा कालेज में अंग्रेजी और बीसीए कोर्स : शिवा पीजी कालेज में नए सत्र से अंग्रेजी और बीसीए कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी। मीडिया प्रभारी डा. प्रदीप शर्मा ने बताया कि बीसीए की एनओसी मिल चुकी है। एम.ए अंग्रेजी में एनओसी के लिए लवि में आवेदन किया है।

परीक्षा केंद्र अधिक दूरी पर बनाए जाने का आरोप

लखनऊ : लवि की ओर से एलएलबी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए बनाए गए केंद्रों पर अभिभावकों ने आपत्ति दर्ज कराई है। टीडीएल ला कालेज, सुल्तानपुर रोड का केंद्र मदर टेरेसा विधि महाविद्यालय, लोनापुर गोमती नगर भेजा गया। अभिभावकों का आरोप है कि केंद्र की दूरी करीब 20 किलोमीटर है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि इस संबंध में संबंधित कालेज ने कोई आधिकारिक आपत्ति नहीं दर्ज कराई है।

VOICE OF LUCKNOW

कला-साहित्य के सेतु-पुरुष प्रो. राम जैसवाल का निधन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ : लखनऊ कला एवं लिलप मर्मज्ञ, पूर्व लखनऊ, वरिष्ठ चित्रकार, सौंदर्यशास्त्री विशारदीय एवं प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. राम जैसवाल जी (जन्म: 5 सितंबर 1935, सादाबाद, मथुरा, उत्तरप्रदेश काश्मिरा होगया) वे लवि सम्पन्न सेवानिवृत्त चल रहे थे। उनके निधन की सूचना कलेंदर चल्ल प्राप्त हुई। उन्हें दृष्टि सम्पन्न कलेंदर सेंटलर का कला एवं साहित्य जगत शोकसप्तप्त हो उठा है। डा. राम जैसवाल जी चक्षुदान की अंकाक्षान प्रतिज्ञा के धनी थे। उनकेनि 1953 से 1958 के बीच लखनऊ कलाएवं लिलप महाविद्यालय से ललित कला में द्वितीय प्रवर किया तथा वहीं प्रवाक्ता लिलप महाविद्यालय से ललित कला में (एम.ए.) की लिप्ता हासिल की। उनका अध्यापकीय जीवन आरंभ लिला डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज में आरम्भ हुआ, जहाँ उन्होंने चित्रकला विभाग में व्याख्याता के रूप में कार्य करते हुए प्रिंसिपल रहे। बाद में वे लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रोफेसर एवं डीन के रूप में सेवारूढ़ हुए। उन्होंने ललित कला परिषद, लखनऊ के रूप में अपने कार्य किए। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रोफेसर एवं डीन के रूप में सेवा दी। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रोफेसर एवं डीन के रूप में सेवा दी। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रोफेसर एवं डीन के रूप में सेवा दी।

विरिल चित्रकला और साहित्य-सृजन में सक्रिय रहे। जल-रंग और वॉश जैली में प्रो. राम जैसवाल जी को एक विशिष्ट पहचान थी। उनकी चित्र-भाषा में पारदर्शिता, प्रकाश, संयम और मानव-संवेदनाओं का गहन रंगों दिखाई देती है। उनकी कृतियों जयपुर, लखनऊ, दिल्ली, मुंबई, पटेरिया, गोवा, सिक्कम, अहमदाबाद और अजमेर सहित देश के अनेक प्रमुख कला केंद्रों में प्रदर्शित हुई। वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कई कला निधियों और प्रतिष्ठानों में सक्रिय सदस्य के रहे। उन्हें ललित कला परिषद, लखनऊ द्वारा राजा-महल ललित कला अकादमी की वार्षिक प्रदर्शनियों में पुरस्कार प्राप्त हुए (वर्ष 1997 में राजा-महल ललित कला अकादमी द्वारा उन्हें सर्वोच्च सम्मान कलाश्रेष्ठ से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें कला एवं संकेतशास्त्र व्यक्तित्व के धनी हो. राम दास सम्मान तथा संस्कार-भारती सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया। उनकी पेंटिंग राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कला प्रोजक्टों तथा निजी संग्रहों में सुरक्षित हैं। साहित्य के क्षेत्र में भी प्रो. राम जैसवाल जी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

उनकी पारंपरिक कलाएं 1956 में प्रकाशित हुई। अमृतसिंह, उज्ज, बसन्त दत्त, विष्ण जल और अविराम उनके प्रमुख कलाओं संग्रह हैं, जबकि विश्वप्रसिद्धविश्व उनका पॉपुलर कला संग्रह है। उनकी रचनाएँ काव्यसंग्रहों की गुलाब के कांटा एवं सुंदर समन्वय दिखाई देता है। भूपेंद्र कुमार अवस्थान ने कहा कि लखनऊ के कला जगत के गुरु, वरिष्ठ कलाकारों, कला-इतिहासकारों और साहित्यकारों ने प्रो. राम जैसवाल जी के निधन को अत्यंत खेदजनक-दैनिक क्षेत्रीय लिए अपूरणीय क्षति बताया। लखनऊ कला एवं संकेतशास्त्र व्यक्तित्व के धनी हो. राम जैसवाल जी अपने पीछे शिष्यों की एक सुदीर्घ परंपरा, समृद्ध कला-साहित्यिक विरासत और प्रेरणादायी स्मृतियाँ छोड़ गए हैं। अपने विचारों, शिक्षण और सृजन के माध्यम से वह हमेशा हमें प्रेरित करते रहेंगे। राम जैसवाल जी को हार्दिक श्रद्धांजलि।

लविवि में प्रवेश का बनाया नया रिकॉर्ड

लखनऊ। लविवि ने सत्र 2025-26 में प्रवेश का नया रिकॉर्ड बनाया है। इस बार कुल 1,83,350 छात्रों ने विश्वविद्यालय और उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में दाखिला लिया, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। यह उन विद्यार्थियों का आधिकारिक विवरण है जिन्होंने सत्र 2025-26 में प्रवेश लिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच जिलों में फैले शैक्षणिक विस्तार ने छात्रों को विवधि पाठ्यक्रमों और अवसरों तक पहुंच प्रदान की है। परदारी प्रवेश प्रक्रिया, आधुनिक शिक्षण पद्धतियां और शोध को बढ़ावा देने वाली नीतियों इस सफलता के पीछे प्रमुख कारण हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्रों के विश्वास का परिणाम है। लगातार बढ़ती संतुष्ट यह दर्शाती है कि छात्र उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दे रहे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के संबंधित शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों ने इस उपलब्धि पर संतोष व गर्व व्यक्त किया है। उनका मानना है कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और शोध-आधारित पाठ्यक्रमों का परिणाम है। विभागों के प्रमुखों ने कहा कि यह उपलब्धि संस्थान की रीसर्चफ्रेंडली उत्कृष्टता और छात्र-छात्राओं के विश्वास का परिणाम है। लगातार बढ़ती संतुष्ट यह दर्शाती है कि विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यूपी में वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाना बड़ा लक्ष्य

लखनऊ : लविवि के समाजशास्त्र विभाग के डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ के कुलपति प्रो